Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी रोपण फसलें नहीं हैं?

(अ) रबड़ (ब) गेहूँ, चना, ज्वार

(स) इनमें से कोई नहीं (द) चाय

2. इनमें से कौन-सी घोषणा सरकार द्वारा फसलों को सहायता देने के लिए करती हैं?

(अ) मध्यम सहायता मूल्य (ब) प्रभावी सहायता मूल्य

(स) न्यूनतम सहायता मूल्य (द) अधिकतम सहायता मूल्य

3. निम्नलिखित में से कौन-सी फसल एक नकदी फसल नहीं हैं?

(अ) गेहूँ (ब) जूट

(स) गन्ना (द) बाजरा

4. किस मौसम में मक्के की खेती की जाती हैं।

(अ) वर्ष भर (ब) जायद

(स) खरीफ (द) रबी

5. इनमें से कौन-सी रबी की फसल है —

(अ) कपास (ब) मोटे अनाज

(स) दालें (द) धान

6. सोपानी खेती किस राज्य में की जाती है —

(अ) उत्तराखण्ड में (ब) उत्तर प्रदेश में

(स) पंजाब में (द) हरियाणा में

7. भारत में नीलगिरी के पहाड़ी क्षेत्रों में किसका उत्पादन किया जाता है?

(अ) कॉफ़ी (ब) धान

(स) चाय (द) रबड़

8. निम्नलिखित में से किस समय अवधि में खरीफ की फसलों की कटाई की जाती है?

(अ) जनवरी-फरवरी (ब) अक्टूबर-दिसंबर

(स) सितंबर-अक्टूबर (द) अप्रैल-मई

9. देश के उत्तर और उत्तर-पूर्वी भाग में मुख्य फसल कौन-सी है?

(अ) चावल (ब) गन्ना

(स) गेहूँ (द) मक्का

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. उत्तर और उत्तरी-पश्चिमी भारत में कौन-सी प्रमुख खाद्य फसल है?

(अ) गेहूँ (ब) चावल

(स) बाजरा (द) मक्का

रिक्त स्थान :

11. _____ में चावल एक जीविका फसल है।

12. भारत का _____ राज्य मूँगफली का सबसे बड़ा उत्पादक है।

सत्य / असत्य

13. कपास के लिए निम्नलिखित में से रेतीली मिट्टी उपयुक्त होती है।

14. चावल की कृषि के लिए औसत 200 से.मी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. आर्गेनिक कृषि (जैविक कृषि) क्या है ?

16. 'ऑपरेशन फ्लड' किससे संबंधित है ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. कृषि क्षेत्र की तीन प्रमुख समस्याओं के नाम लिखिए।

18. वाणिज्यिक कृषि से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताएँ लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. किसी अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्त्व होता है? समझाइए।

20. सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधारों के बारे में लिखें।

HOTS

21. भारत में मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए उपायों को सुझाइए।

मिशन ज्ञान
जहाँ-जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) इनमें से कोई नहीं।
2. (स) सरकार द्वारा न्यूनतम सहायता मूल्य घोषणा फसलों को सहायता देने के लिए करती है। इसमें किसानों को मुआवजा व फसली सहायता के लिए घोषणा की जाती हैं।
3. (अ) गेहूँ एक नकदी फसल नहीं हैं।
4. (स) खरीफ के मौसम में मक्के की खेती की जा सकती हैं।
5. (स) दालें।
6. (अ) उत्तराखण्ड में।
7. (अ) नीलगिरी के पहाडी क्षेत्रों में कॉफ़ी का उत्पादन किया जाता हैं।
8. (स) सितंबर-अक्टूबर।
9. (अ) चावल।
10. (अ) गेहूँ
11. **रिक्त स्थान :** ओडिशा
12. **रिक्त स्थान :** आंध्र प्रदेश
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. **आर्गेनिक कृषि (जैविक खेती) :** कृषि की वह विधि है जो संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों के अप्रयोग या न्यूनतम प्रयोग पर आधारित है तथा जो भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिये फसल चक्र, हरी खाद, कम्पोस्ट आदि का प्रयोग करती है। सन् 1990 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादों का बाजार काफ़ी बढ़ा है।
16. ऑपरेशन फूड कार्यक्रम 1970 में शुरू हुआ था। ऑपरेशन फूड ने डेरी उद्योग से जुड़े किसानों को उनके विकास को स्वयं दिशा देने में सहायता दी है, उनके द्वारा सृजित संसाधनों का नियंत्रण उनके हाथों में दिया है।
17. कृषि क्षेत्र की तीन प्रमुख समस्याएँ हैं-

i. उर्वरकों की कमी,
ii. कृषि सेवाओं का अभाव तथा
iii. साख सुविधाओं का अभाव।

18. वाणिज्यिक या बांजार कृषि, कृषि का वह प्रकार है जिसका मुख्य उद्देश्य विपणन है। इसका आशय यह है कि फसल प्रक्रिया से प्राप्त उत्पादों को आर्थिक लाभ प्राप्त करने हेतु बिक्री के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। वाणिज्यिक कृषि का प्रमुख लक्षण आधुनिक निवेशों जैसे अधिक पैदावार देने वाले बीजों, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग से उच्च पैदावार प्राप्त करना है। रोपण कृषि में शामिल चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना, केला इत्यादि भी एक प्रकार की वाणिज्यिक कृषि है। इस तरह की कृषि में एक बड़े भाग में एकल फसल की कृषि की जाती है।
19. भारत एक कृषिप्रधान देश है, जहाँ की बड़ी जनसंख्या प्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य में संलग्न है। मानव और पालतू पशुओं के लिए खाद्यान्न और चारे की व्यवस्था कृषि के माध्यम से ही होती है। कई कृषि-आधारित उद्योगों के लिए कच्चा माल भी कृषि से प्राप्त होता है। चाय, कॉफी, और मसालों का निर्यात दूसरे देशों में भी किया जाता है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान महत्वपूर्ण है। प्राचीनकाल से भारत में कृषि का एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है। पहले भारत की कृषि मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर थी, लेकिन अब सिंचाई के साधनों के विकास के कारण राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में भी फसल उत्पादन संभव हो गया है। तकनीकी और वैज्ञानिक विधियों के उपयोग से कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। अब पहले की तुलना में मानव श्रम की आवश्यकता भी कम हो गई है, जिससे अतिरिक्त श्रम अन्य क्षेत्रों में नियोजित किया जा सकता है।
20. **सरकार द्वारा किसानों के हित में किए गए संस्थागत सुधार—** हमें आज़ादी प्राप्त किए हुए सात दशक हो चुके हैं और सरदार पटेल साहेब ने एक भारत की कल्पना के साथ कई प्रांतों के एकीकरण का कार्य किया था।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

- फसलों की बीमा सुविधा देना।
- उर्वरकों की आसान उपलब्धता से लेकर सिंचाई सुविधाओं में सुधार।
- फसल बीमा योजना से आसान ऋण प्राप्त करने में किसानो की सहायता।
- सहकारी बैंकों का विकास कर किसानों को ऋण सुविधा उपलब्ध करना।
- फसलों के समर्थन मूल्य का उचित निर्धारण कर प्रोत्साहित करना।
- मौसम संबंधी सूचनाओं को समय-समय पर प्रसारित करना।
- कृषि संबंधी नवीन तकनीक, औजारों, उर्वरकों आदि से संबंधित कार्यक्रम रेडियों तथा दूरदर्शन पर प्रसारित करना।

21. मोटे अनाज से आशय है ज्वार, बाजरा, रागी, मडुआ आदि। इन फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपायों को अपनाया जा सकता है—

i. **मिट्टी की तैयारी:** खेती के लिए मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार करना चाहिए। मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा सुनिश्चित करने के लिए उसे उचित तरीके से खुदाई करें और उसे हवादार बनाएं।

ii. **सिंचाई की व्यवस्था:** यदि संभव हो, तो अच्छी सिंचाई की व्यवस्था की जानी चाहिए। वर्षा पर निर्भरता को कम करने के लिए ड्रिप या स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है।

iii. **खरपतवार नियंत्रण:** खरपतवार नियंत्रण के लिए खरपतवारनाशक का प्रयोग करें या हाथ से खरपतवार निकालें। नियमित रूप से खेत की सफाई करने से फसल को बेहतर वृद्धि मिलती है।

iv. **कीट और रोग प्रबंधन:** कीटों और रोगों से बचाव के लिए उचित समय पर कीटनाशक और रोगनाशक का प्रयोग करें। जैविक कीटनाशकों के उपयोग पर भी ध्यान दें, ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

v. सही किस्मों का चयन: मोटे अनाज की उच्च पैदावार के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सही और उच्च गुणवत्ता वाली बीज किस्मों का चयन करना भी आवश्यक है।

vi. प्रशिक्षण और जागरूकता: किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों और प्रबंधन के तरीकों के बारे में जागरूक करना और प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए, ताकि वे अपनी उपज को अधिकतम कर सकें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App